कामेच्छी
अप्सरा
साधना

कामच्छी अप्सरा साधना :

इसी श्रेणी में एक दिवसीय अप्सरा साधना कामच्छी अप्सरा की है।

क्या साधना बहुत ही सरल है इस साधना को करने से व्यक्ति की काम इच्छा की पूर्ति होती है।
साधना अनुसार यह अप्सरा प्रत्यक्ष होकर साधक के साथ काम संबंध बनाकर अपने आभूषण वही छोड़ जाती है।
अर्थात हम कह सकते यह अप्सरा कामसुख एवं धनसुख दोनों इच्छाओं की पूर्ति करती है।

अप्सरा के नाम से निहित है। इस अप्सरा को काम भाव से सिद्ध किया जाता है।
इसलिए साधक काम भावना के अनुसार इसका चयन करें।
इसमें निम्लिखित सामग्री की अवश्यकता है :

अप्सरा यंत्र

स्फटिक माला

सफेद चंदन

इत्र चंदन का

गुलाब के पुष्प

यह अप्सरा साधना कैसे की जाती है?

यह अप्सरा साधना विषेश तिथियों पर की जाती है आप इसे दिवाली, दशहरा, होली, नवरात्रि, ग्रहण काल, या किसी भी अमावस्या, पूर्णिमा तथा रविपुष्य नक्षत्र की रात्रि में की जा सकती है।

यह एक दिवसीय अप्सरा साधना रात्रि कालीन है।
इसकी विधिनुसार पितृ पूजा, गुरु, गणेश, शिव, भैरव, और स्थान देवताओं की पुजा श्याम को ही संपन्न कर लेना चाहिए।
रात्रि में सिर्फ अप्सरा की पुजा सपन्न करना है।

अब साधक को नहा धोकर सफेद चंदन की लकड़ी को गुलाब जल के साथ घिसकर शरीर में जगह-जगह हल्का-हल्का लेप कर लेना चाहिए एवं सफेद या लाल रंग के वस्त्र धारण कर लेना चाहिए।

आप साधक को एकांत कमरे में उत्तर की तरफ मुख करके लकड़ी के बाजोट पर लाल वस्त्र बिछाकर यंत्र स्थापित कर दे।

अब गुलाब के पंखुड़ियां उस पर बिखेर देना है ।
इस कमरे में किसी भी प्रकार का चित्र या भगवान नहीं होना चाहिए। और साधना प्रारंभ करने से पहले या उसे दिन किसी भी प्रकार की कवच या हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करना चाहिए।

कमरे में एक किनारे में सुंदर बिस्तर लगा लेना है।
जिस पर गुलाब का इत्र और गुलाब की पंखुड़ियां बिखेर देना है।
अप्सरा को यहां आसन दे।

यन्त्र के सामने पूजन करना है और घी का दीपक लगाएं, गुलाब की धूप बत्ती लगाए और उसे सफेद चंदन का लेप लगाने के लिए दे।

भोग के लिए अच्छी दूध की मिठाई केसर डालकर एक कटोरी में चढ़ावे साथ ही पानी का गिलास और एक गिलास सरबत बनाकर दे।

ध्यान :
अप्सरा का चिंतन करना है कम से कम 15 मिनिट। चिंतन में आप उससे बात कर सकते है। उसका आस पास होने का एहसास करना है।
इसके बाद स्फटिक की माला से 31 माला जाप करना है।

ॐ ह्लीं कामेच्छी अप्सरा आगच्छागच्छ मम संसर्ग कुरु कुरु स्वाहा

गुप्त मंत्र

अनुभव:
इस प्रकार के मिलते जुलते अनुभव हो सकते हैं।
3 से 4 माला होने पर आपके शरीर में चीटिया को काटने के अनुभव हो सकते है।
6 से 7 माला के बाद खुशबू का अनुभव हो सकता है। जो कमजोर है उनको नींद के झोंके आने लगते हैं।
20 से 21 माला होने पर कमरे का वातावरण बहुत शांत हो जाएगा और ठंडा हो जाएगा।
27 से 28वीं माला तक अप्सरा आपके साथ संपर्क करने लग जाती है।

प्रत्येक व्यक्ति का अनुभव अलग-अलग हो सकता है लेकिन लगभग मिलता-जुलता ही होता है।
माला एकाग्रता से जाप करते रहना है इस प्रकार की किसी भी क्रिया पर प्रतिक्रिया नहीं देना है।
31 माला पूर्ण होने पर ही अप्सरा से बात करें।
जो वह पूर्ण रूप से प्रत्यक्ष होकर आपके साथ आकर बात करना चाहे जब आपको बात करना है और साथ ही उसे गुलाब के पुष्प की माला अर्पित करना है।

फिर अप्सरा स्वयं आपको बिस्तर पर लेकर जाएगी और प्रेम भरी बातें करेगी।

अप्सरा के साथ क्रिया करने के बाद वह अपने वस्त्र को यही छोड़ कर जाएगी उसके बाद आप उसका उपयोग कर सकते हैं।

आप अपनी इच्छा अनुसार वचन मांग सकते हैं ।
इस प्रकार या साधन संपन्न होती है।

यह एक दिवसीय अप्सरा साधना बहुत ही प्रभावशाली है।

इस प्रकार एक दिवसीय अप्सरा साधना के बारे में हमने आपको बताया। सबसे जल्दी सिद्ध होने वाली अप्सरा साधना है। इसे हर साधक को करना चाहिए।

अप्सरा साधना कैसे की जाती है?

अप्सरा साधना करने के लिए साधक को ध्यान योग या त्राटक साधना का अभ्यास करते रहना चाहिए।
यह दिव्य शक्तियों से सपर्क करने में सहायता प्रदान करता है।
साफ मन से जाप करने से फ्रैकवेंसी मजबूत होती है।

अध्यात्मिक जगत में प्रवेश से पहले गुरु और गुरु द्वारा दिया गया इष्ट मंत्र का जाप आवश्यक माना गया है।

गुरु मंत्र के जाप से ओरा (तपो बल) बढ़ता है। जिससे हमें साधना सिद्धि में शक्ति मिलती है।